an>

Title: Regarding rescuing the people affected from flood in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं और मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि पार्लियामैंट्री अफेयर्स मंत्री बैठे हैं, वे रिस्पॉंड कर दें। हमारे यूपी कौन्सटीटूएंसी भारत-नेपाल की सीमा से एडज्वाइनिंग है। नेपाल की नदियां बाण गंगा, कोसी, करनाली और जलकुंडी भारत में आती हैं। आज की घटना है जिसका मैं उल्लेख करना चाहता हूं। बाण गंगा जो नेपाल से आती है, उसके टूटने के कारण और उन्होंने नेपाल में जो पानी छोड़ा है, उसकी वजह से पूरे भारत के सिद्धार्थनगर के सीमावर्ती गांव जैसे बसना, पतिया, दोहरिया बुजुर्ग, सिमरा और बगुलहवा आदि जलमग्न हो गए हैं। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि ये नेपाल सरकार से बात करें क्योंकि अगर नेपाल का पानी लगातार आएगा तो एक तरफ अतिवृष्टि बाढ़ से उत्तर प्रदेश की घाघरा, राप्ती जिस तरह खतरे के निशान से ऊपर हो गई है, बाढ़ से तीस लोगों की मौत हो चुकी है। मैं कहना चाहूंगा कि जो लोग फंसे हुए हैं, उन्हें रैसक्यू कराया जाए।...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sharad Tripathi, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, and Shri Bhairon Prasad Mishra are allowed to associate with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.